

19/6/18

राज्य लोक सेवा आयोग


व्याप आरके द्वारा-2018


आज पंचायत. अंताय. दिनांक. 19.6.18

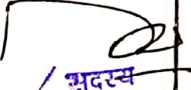
पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारण उप.। प्रथम पेंरोन्कार
सरकार उप.। प्रतिवादी सं. गणों ने जवाब पत्र प्रस्तुत
कर निवेदन किया कि वादीगण ने प्रश्नगत आराजी जोकि
वादीगण एवं प्रतिवादीगण की पुरतनी संयुक्त
खातेदारी आराजीयात है; जिस पर वादीगण ने
प्रतिवादीगण के विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा आबत,
वाफ प्रस्तुत किया जोकि विधि विरुद्ध है। वादीगण
व प्रति वादीगण उक्त आराजीयात में एक अधिकार
रखते है। वादीगण द्वारा विधिक अरवारा कराए
जाने पर ही यह निर्णय हो सकता है, कि किस

तारीख दृष्य	दृष्य या कार्यवाही मय इनिशियलस जज मोहनलाल ११३ लखनऊ ५२/२०११	नम्बर व तारीख अदालत जो इस दृष्य में सामील में जारी हुए
----------------	--	---

पक्षाकार को फिल खसरा ग्रीम में एक एक एवं मध्यकार
 गिहित है। अतः उक्त प्रस्तुत वाफ विधि विरुद्ध
 होने से निरस्त योग्य है। परिश्रम सरकार ने जबाब
 पत्र प्रस्तुत कर वाफ गस्त आराजी जप्री एवं प्रतिवादी
 गण की संयुक्त आराजी होना स्वीकार किया। ऐसी
 स्थिति में प्रतिवादी गण को जरिये स्वारी निचे आता
 पाबन्द किया जाना अनुचित ठहराया। बैंच सदस्यों
 द्वारा पठावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड का
 अवलोकन किया तो प्रतिवादी गण एवं अन्य खेती चार
 व वादी गण की संयुक्त अविभाजित आराजी होना
 पाया गया। ऐसी स्थिति में बैंच सदस्यों द्वारा
 उक्त प्रकरण अनुतोपयोग्य न होने से खारिज
 किये जाने का निर्णय लिया। अतः वादी गण द्वारा
 प्रस्तुत राजस्व वाफ खारिज किया जाकर
 विरुद्ध वादी गण डिक्री किया जाता है। विस्तृत
 निर्णय हथकड़ी लिखाया जाकर शर्मागल
 मिश्राल किया गया। अतः पठावली कैसल
 शुमार हो। पाम्बरे से कम ही कर दाखिल
 दफ्तर हो।


 अध्यक्ष
 लोक अदालत
 उपखण्ड-भिना


 अध्यक्ष
 लोक अदालत
 उपखण्ड-भिनाय


 अध्यक्ष
 लोक अदालत
 उपखण्ड-भिनाय